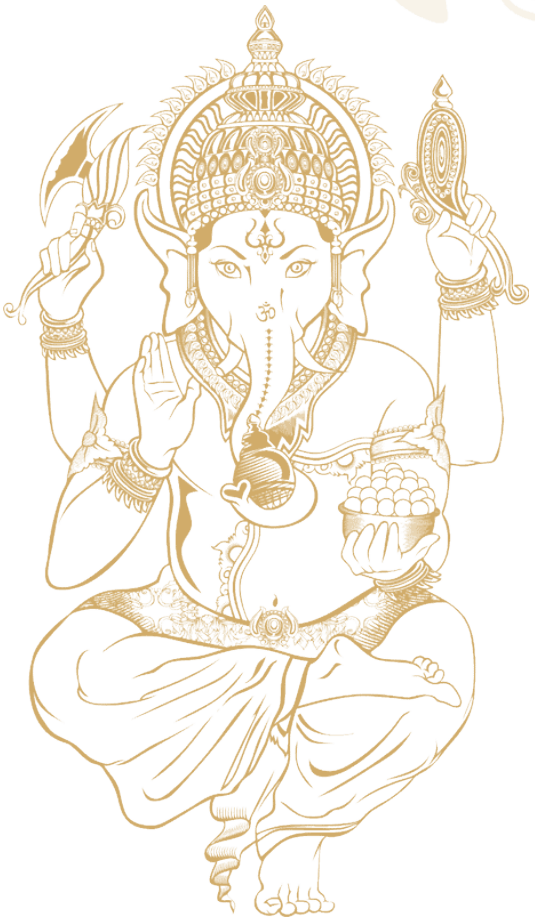

Anuj Marathe

Aishwarya Mahajan

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121361502

पुल्लिंग :	लिंग	:	स्त्रीलिंग
25/01/1997 :	जन्म तिथि	:	8-09/10/1996
शनिवार :	दिवस	:	मंगळ–बुधवार
कला 23:26:00 :	जन्म समय	:	04:00:00 कला
घटी 40:46:05 :	जन्म समय(घटी)	:	54:03:54 घटी
India :	देश	:	India
Chalisgaon :	स्थान	:	Bikaner
20:29:00 उत्तर :	अक्षांश	:	28:01:00 उत्तर
75:10:00 पूर्व :	रेखांश	:	73:22:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	:	82:30:00 पूर्व
कला -00:29:20 :	स्थानिक संस्कार	:	-00:36:32 कला
कला 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	:	00:00:00 कला
07:07:34 :	सूर्योदय	:	06:33:10
18:15:20 :	सूर्यास्त	:	18:14:34
23:49:00 :	लाहिरी अयनांश	:	23:48:45

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 4वर्ष 4मा 24दि	24:10:32	कन्या	लग्न	सिंह	17:22:25	केतु 1वर्ष 5मा 20दि
रवि	11:59:53	मक	सूर्य	कन्या	22:06:03	चन्द्र
21/06/2021	04:57:05	सिंह	चंद्र	सिंह	10:31:43	30/03/2024
21/06/2027	11:21:12	कन्या	मंगळ	कर्क	23:55:50	30/03/2034
रवि 08/10/2021	17:31:43	धनु	बुध	कन्या	05:53:32	चन्द्र 28/01/2025
चन्द्र 09/04/2022	07:09:04	मक	गुरु	धनु	15:55:37	मंगळ 29/08/2025
मंगळ 15/08/2022	25:36:55	धनु	शुक्र	सिंह	11:45:40	राहु 28/02/2027
राहु 10/07/2023	09:13:23	मीन	शनि व	मीन	09:13:08	गुरु 29/06/2028
गुरु 27/04/2024	06:06:15	कन्या व	राहु	कन्या	14:13:01	शनि 29/01/2030
शनि 09/04/2025	06:06:15	मीन व	केतु	मीन	14:13:01	बुध 30/06/2031
बुध 13/02/2026	10:52:43	मक	हर्ष व	मक	06:49:48	केतु 29/01/2032
केतु 21/06/2026	03:56:39	मक	नेप	मक	01:09:56	शुक्र 29/09/2033
शुक्र 21/06/2027	11:17:00	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	07:28:11	रवि 30/03/2034

लग्न–चलित

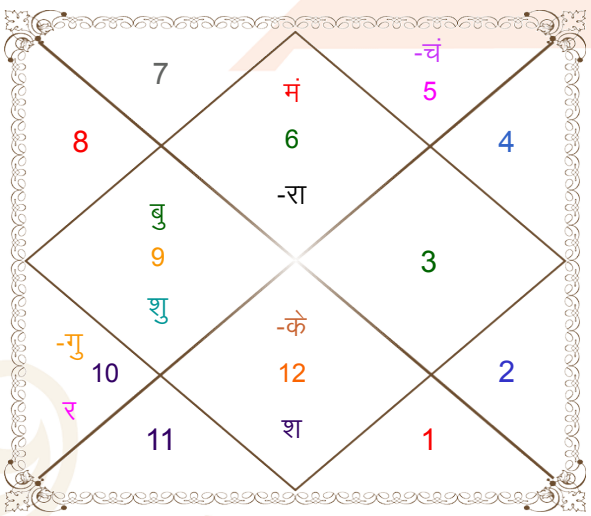

लग्न–चलित

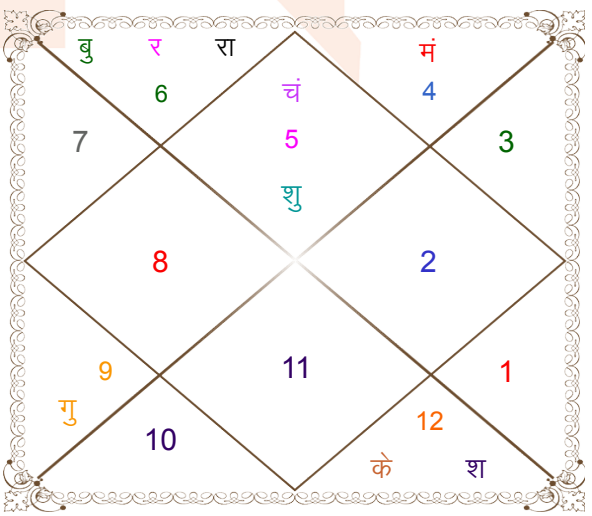

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	––	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	वनचर	2	2.00	––	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	––	भाग्य
योनि	उंदीर	उंदीर	4	4.00	––	यौन विचार
मैत्री	रवि	रवि	5	5.00	––	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	––	सामाजिकता
भकूट	सिंह	सिंह	7	7.00	––	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	आह	स्वास्थ्य/संतान
एकुण :			**36**	**28.00**		

।दनर डंतंजीम का वर्ग उंदीर है तथा ।पींूतलं डींरंद का वर्ग उंदीर है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ।दनर डंतंजीम और ।पींूतलं डींरंद का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

।दनर डंतंजीम मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल–गुरु या मंगल–राहु या मंगल–चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु ।दनर डंतंजीम कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

।पींूतलं डींरंद मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल ।पींूतलं डींरंद कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ।पींतलं डींरंद कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

।दनर डंतंजीम तथा ।पींतलं डींरंद में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।